अब वहां पर थाने की बात को ले लीजिए। वहां पर अधिकांश थानों के पास अपने मकान नहीं है, वायरलेस सेट नहीं है, गाड़ी नहीं है और बिजली की कोई व्यवस्था नहीं है। जब पुलिस को मालूम हो जाता है कि नक्सलाइट लोग आ रहे हैं, तो वे अपनी रायफल बचाने के लिए पहले ही भाग जाते हैं। वे नक्सलाइट से लड़ेंगे क्या, वे तो पहले ही भाग जाते हैं। यह एक भयंकर समस्या है। इससे वहां पर लोग बहुत भयभीत हैं और डरे हुए हैं, इसलिए मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि वहां जो इन्फ्रास्ट्रक्चर है, वह बिल्कुल समाप्त हो चुका है। वहां पर पुलिस आधुनिकीकरण के नाम पर केन्द्र से पैसा जाता है, लेकिन उस पैसे का सही ढंग से उपयोग होता है या नहीं होता है, उसकी मानिटरिंग होती है या नहीं होती है, सरकार को इस बात की जांच करनी चाहिए, उसको मानिटरिंग करनी चाहिए, इसे बचाना चाहिए और वहां सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था करनी चाहिए।

आए दिन व्यापक पैमाने पर पुलिसकर्मियों की हत्याएं हो रही हैं, इस संबंध में सरकार को गंभीरतापूर्वक सोचना चाहिए और मृतक के परिवार को कम से कम 25 लाख रुपए मुआवजे के रूप में देना चाहिए, क्योंकि वे भारत मां के सपूत हैं और उन्होंने लड़ते-लड़ते अपनी शहादत दी है। यही आपसे हमारा आग्रह है। धन्यवाद।

श्री जाविर हुसेन (बिहार): सर, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

MR. CHAIRMAN: Shri Prakash Javadekar to associate with it. Mr. Javadekar, please associate only. ***...(Interruptions)...***

श्री प्रकाश जावडेकर (महाराष्ट्र): सर ...**(व्यवधान)**..

श्री रुद्रनारायण पाणि (उड़ीसा): सर, उड़ीसा में भी यही हालत है ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: आप सिर्फ इनसे associate कीजिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री रुद्रनारायण पाणि: सर, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री प्रकाश जावडेकर (महाराष्ट्र): सभापति महोदय, एक दिन पहले छत्तीसगढ़ में भी ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: नहीं, नहीं, आप सिर्फ इनसे associate कीजिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री प्रकाश जावडेकर: सर, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

Blocking of NH-39 and NH-53 connecting Manipur with rest of the country

श्री तरुण विजय (उत्तराखंड): सभापति महोदय, मणिपुर में जिस प्रकार से पुनः दोनों highways, NH 39 और NH 53, block कर दिए गए हैं, उसके कारण वहां का जन जीवन पूरी तरह से ध्वस्त होता जा रहा है। वहां पर एक गैस कस सिलेंडर 1200 रुपए में मिल रहा है और पेट्रोल खुलेआम सड़कों पर ब्लैक में मिल रहा है। वहां पर सौ-सौ रुपए लीटर पेट्रोल और डीजल बेचा जा रहा है। पिछले दिनों पांच महीने तक मणिपुर के सारे स्कूल बंद रहे थे और अब जब स्कूल खुले, तो फिर से दोनों highways बंद हो गए हैं। इसका सबसे ज्यादा बुरा असर वहां की महिलाओं और गृहणियों पर पड़ रहा है। पिछले दिनों एक बूढ़ी महिला पैदल चल कर आ रही थी और भूख के कारण वह सड़क पर ही मर गई,...

क्योंकि दोनों highways बंद रहे हैं। यह स्थिति वहां इस कारण हुई है कि आतंकवादियों ने, जिनमें People's Liberation Army जो वहां का एक प्रमुख आतंकवादी संगठन है और जिसने चीन की तर्ज पर अपने संगठन का नाम People's Liberation Army रखा है, उसने वहां के सभी गैर मणिपुरी में आम जनजीवन बुरी तरह से ध्वस्त होता चला जा रहा है। एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिए बसों के किराए चौगुने-पांच गुने हो गए हैं। किसी भी emergency में वहां के सामान्य नागरिक के लिए मणिपुर से बाहर निकलना असंभव हो गया है। उससे भी बढ़कर स्थिति यह है कि वहां भारतीय राष्ट्रीयता की कोई भी बात करना एक प्रकार से

गुनाह बना दिया गया है। United Naga Council नाम के संगठन ने फिर से पिछले सप्ताह पच्चीस दिन के इस हाईवे बंद का आह्वान किया है, जिस कारण कोई भी जरूरत की वस्तुएं वहां नहीं जा रही हैं। वहां तिरंगा झंडा लहराना मुश्किल हो गया, जब तक कि सुरक्षा सैनिकों के साए में आप तिरंगा न लहराएं। वहां पर जन-गण-मन को आप गा नहीं सकते और इसको स्कूलों में गाना प्रतिबंधित कर दिया गया। United Council of Nagaland जो है, उसको National Socialist Council of Nagaland (Isak-Muivah) ग्रुप का पूरा समर्थन प्राप्त है। उन्होंने आह्वान किया है कि We want greater Nagaland जिसमें मणिपुर के हिस्से शामिल करना चाहते हैं और उनका सांप्रदायिक नारा है — Nagaland for Christ. इस कारण जो अन्य हमारे मणिपुरी भाई हैं, उनको वहां बेहद आतंक के साए में सीना पड़ रहा है। वहां सरकार द्वारा सामान्य वस्तुएं भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। पिछले छः महीने से लगभग पंद्रह हज़ार सरकारी कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है और उसके पहले बाईस हज़ार कर्मचारी चार महीने की हड़ताल पर थे। कोई काम वहां पर नहीं हुआ।

MR. CHAIRMAN: Thank you. Thank you.

श्री तरुण विजय: वहां के लोग जानना चाहते हैं कि क्या दिल्ली के लोग उनके बारे में चिंतित हैं? क्या वे मणिपुर को हिंदुस्तान का हिस्सा मानते हैं?

श्री **रुद्रनारायण पाणि** (उड़ीसा): सर, मैं इसके साथ एसोसिएट करता हूं।

श्रीमती **कुसुम राय** (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं इस विषय के साथ अपने आपको सम्बद्ध करती हूं।

श्री रघुनन्दन शर्मा (मध्य प्रदेश): सर, मैं स्वयं को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूं।

श्री **प्रभात झा** (मध्य प्रदेश): सर, मैं इस विषय के साथ एसोसिएट करता हूं।

GOVERNMENT BILLS

The Architects (Amendment) Bill, 2010

MR. CHAIRMAN: We will now take up legislative business. Bills for introduction, Shri Kapil Sibal.

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI KAPIL SIBAL: Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Architects Act, 1972.

The question was put and the motion was adopted.

SHRI KAPIL SIBAL: Sir, I introduce the Bill.

The Prasar Bharati (Broadcasting Corporation of India) Amendment Bill, 2010

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRIMATI AMBIKA SONI): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Prasar Bharati (Broadcasting Corporation of India) Act, 1990.

The question was put and the motion was adopted.

SHRIMATI AMBIKA SONI: Sir, I introduce the Bill.

MR. CHAIRMAN: We will now take up The Educational Tribunals Bill, 2010. Shri Kapil Sibal.